

# भारत के फैसले ने बदली व्यापार कूटनीति

मार्क मोबियस ने बताया वैश्विक रणनीति में बदलाव का कारण

नई दिल्ली, 4 फरवरी. वैश्विक व्यापार समीकरणों में भारत की भूमिका अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही. हालिया भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते ने न केवल अंतरराष्ट्रीय निवेशकों का ध्यान खींचा है, बल्कि अमेरिका जैसी महाशक्ति की रणनीति को भी पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है।



ने ये भी कहा है कि भारत के यूरोपीय संघ के साथ हालिया व्यापार समझौते ने अमेरिका की रणनीति को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है। उनके अनुसार, इस समझौते के बाद अमेरिका पर भारत के साथ अपने व्यापार करार को जल्द अंतिम रूप देने का दबाव बढ़ गया है। मोबियस ने बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अच्छे संबंधों ने प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद की, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को केवल नेताओं की दोस्ती का परिणाम मानना सही नहीं होगा। उनके शब्दों में, समझौते का वास्तविक स्वरूप दोनों पक्षों के वार्ताकारों ने तय किया है। उन्होंने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को फादर ऑफ ऑल ट्रेड डील कहे जाने पर भी सवाल उठाया और कहा कि भारत का ईयू के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मोबियस के अनुसार, ईयू के साथ समझौते को आगे बढ़ाने का भारत का निर्णय यह दर्शाता है कि देश

अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने को प्राथमिकता देता है।

## एपल अपने आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों को देगा प्रशिक्षण

नयी दिल्ली, 4 फरवरी. अमेरिकी हाईटेक कंपनी एपल ने उसके लिए कंपोनेंट बनाने वाली कंपनियों के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए बेंगलुरु में नया शिक्षण केंद्र बनाने की घोषणा की है। एपल ने बुधवार को एक बताया कि यह प्रशिक्षण उसके सभी आपूर्तिकर्ताओं के कर्मचारियों के लिए उपलब्ध होगा। शिक्षण केंद्र का परिचालन मणिपाल अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन के सहयोग से किया जायेगा। पहला कोर्स इस साल मार्च में शुरू होगा। इसके लिए पांच करोड़ डॉलर के सप्लायर इम्प्लॉई डेवलपमेंट फंड से राशि दी जायेगी। पहले कोर्स में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

## सीएफआर ने लगाया बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर

नई दिल्ली. 4 फरवरी. नेत्रम आई फाउंडेशन एवं सोशल एक्शन फाउंडेशन के सहयोग से, खानपुर एक्सपेंशन, दक्षिण दिल्ली में मानव परोपकारी संस्था (एमपीएस) एवं सेंटर फॉर रिफॉर्मर्स (सीएफआर) ने नेत्रम आई फाउंडेशन एवं सोशल एक्शन फाउंडेशन के सहयोग से खानपुर एक्सपेंशन, दक्षिण दिल्ली में एक व्यापक बहुउद्देशीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया।



इस शिविर का उद्देश्य समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना था। मानव परोपकारी संस्था (एमपीएस) एवं सेंटर फॉर रिफॉर्मर्स (सीएफआर) के अध्यक्ष श्री हेरोश दीवान ने जानकारी दी कि इस स्वास्थ्य शिविर में नशा मुक्ति एवं पुनर्वास

67 लोगों की एचआईवी जांच की गई  
100 से अधिक लोगों ने नशा मुक्ति एवं पुनर्वास हेतु परामर्श प्राप्त किया  
नेत्र परीक्षण के दौरान 50 लोगों में मोतियाबिंद (कैटेरेक्ट) की पहचान की गई, जिनमें से 29 लोगों ने निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए सहमति दी। यह ऑपरेशन नेत्रम आई फाउंडेशन की देखरेख में आगामी 15 दिनों के भीतर किए जाएंगे।



## बर्मिंघम में ईपीसीएच की सशक्त और उल्लेखनीय भागीदारी

नई दिल्ली, 4 फरवरी. स्प्रिंग फेयर इंटरनेशनल, 2026 एनईसी, बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ईपीसीएच इंडिया पब्लिकेशन का उद्घाटन भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हथकरघा डीसी डॉ. एम बीना ने किया।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि यूनाइटेड किंगडम के बर्मिंघम में आयोजित हो रहे स्प्रिंग फेयर इंटरनेशनल जैसे बड़े मंच पर भारत को अपनी बेमिसाल विविधता, समृद्ध संस्कृति और कला एवं शिल्प की लंबी परंपरा को प्रदर्शित करने का शानदार अवसर मिला है। यहां परिषद ने देश के विभिन्न हिस्सों से अपने सदस्य नियंत्रकों की यहां भागीदारी सुनिश्चित की है।

भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय में हथकरघा डीसी डॉ. एम. बीना ने उद्घाटन के दौरान भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक बाजारों में लाने और देश से हस्तशिल्प के निर्यात को लगातार बढ़ावा देने में परिषद के लगातार प्रयासों की सराहना की।

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष ने बताया कि बेहतरीन बनने की हमारी कोशिश में, एक्सपो बाजार भारत के दूर-दराज के इलाकों में खरीदारों और छोटे प्रोड्यूसर्स के बीच सीधा कनेक्शन बनाने के लिए डेडिकेटेड है। हमारे जस्ट इन टाइमडिलीवरी मॉडल ने हमारे पूरे सप्लायर चेन मैनेजमेंट को आसान बना दिया है, जिसे यूके, ईयूएच और एएसएम 4 डेडिकेटेड बी2बी शोरूम और 3 ऑनलाइन मार्केटप्लेस का सपोर्ट मिला है।

## सेवा क्षेत्र की रफ्तार जनवरी में और बढ़ी

मुंबई, 4 फरवरी. नये ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इस साल जनवरी में सेवा क्षेत्र की रफ्तार और तेज हो गयी तथा इसका एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई कोरोबारी गतिविधि सूचकांक 58.8 पर पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर में सूचकांक 58 पर रहा था। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का इशारा करता है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने बुधवार को जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंकड़ा सेवा क्षेत्र की सतत गति को दर्शाता है। नये ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि के दम पर उत्पादन मजबूत बना हुआ है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया समेत विदेशों से मांग में वृद्धि हुई है।

## डीडीए और एनबीसीसी में साझेदारी का विस्तार

नई दिल्ली 4 फरवरी. पूरक समझौता ज्ञान विश्वस्तरीय आगंतुक अनुभव, निर्बाध संचालन और समय पर परियोजना पूर्ण करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने मूल करार का विस्तार करने हेतु पूरक समझौता ज्ञानपर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए जिसके अंतर्गत एनबीसीसी भारत वंदना पार्क, सेक्टर-20, द्वारका के विकास के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में कार्य करना जारी रखेगा।

विस्तारित करार के तहत, एनबीसीसी को अंतरिम प्रचालन और अनुसंधान (ओ एंड एम) की जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं, जिसमें एक समर्पित ओ एंड एम एजेंसी का चयन और उसे

## लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी, सेंसेक्स हरे निशान में

अंक से आगे 78.56 पहुंचा सेंसेक्स  
अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी 48.45



नई दिल्ली, 4 फरवरी. भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी दिन तेजी देखने को मिली, हालांकि यह बढ़त आसान नहीं रही। कारोबारी सत्र के दौरान बाजार दबाव में नजर आया, लेकिन अंततः सेंसेक्स और निफ्टी दोनों हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। विदेशी संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी और चुनिंदा सेक्टरों में आई तेजी ने बाजार को संभालने का काम किया।

## मेगा टेक्सटाइल पार्क औद्योगिक भारत की नई पहचान

नई दिल्ली 4 फरवरी. भारत का वस्त्र उद्योग केवल एक आर्थिक क्षेत्र नहीं, बल्कि देश की संस्कृतिक पहचान, ग्रामीण आजीविका और औद्योगिक क्षमता का जीवंत प्रतीक है। सदियों पुरानी हथकरघा परंपराओं से लेकर आधुनिक तकनीकी वस्त्रों तक फैला यह उद्योग आज भारत को विकास यात्रा के निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। केंद्रीय बजट 2026-27 ने इस क्षेत्र को केवल समर्थन ही नहीं दिया, बल्कि इसे भविष्य की

## अकासा एयर के बेड़े में 33वां विमान शामिल

नई दिल्ली, 4 फरवरी. नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर के बेड़े में बुधवार को 33वां विमान शामिल हुआ। एयरलाइन ने बताया कि नया बोइंग 737 मैक्स 8-200 विमान आज बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर उतरा। इस साल कंपनी के बेड़े में शामिल होने वाला यह दूसरा विमान है।

अकासा लगातार अपने बेड़े और नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसने साल 2030 तक दुनिया की शीर्ष 30 विमान सेवा कंपनियों में शामिल होने का लक्ष्य रखा है।

## चांदी में 11,700 का उछाल, सोना फिर चमका



नई दिल्ली. 4 फरवरी. सोने और चांदी की कीमतों में लगातार तेजी से निवेशकों और उपभोक्ताओं-दोनों की निगाहें बुलियन बाजार पर टिक गई हैं। बुधवार को सर्राफा और कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने एक बार फिर तेज छलांग लगाई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, डॉलर की चाल और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के बीच सोना और चांदी नई

में हलचल बढ़ा दी है और आगे और उतार-चढ़ाव की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत, पयूचर्स मार्केट में मजबूत खरीदारी और निवेशकों का जोखिम से बचने का रुख, इस तेजी के प्रमुख कारण हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर भी सोने के वायदा भाव में जोरदार उछाल देखने को मिला, जिसने बाजार की दिशा को और मजबूत किया। बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला, जिससे बुलियन बाजार में हलचल तेज हो गई।

## समाचार विशेष

# गोवा की राजनीति में बदलाव की तैयारी

आम आदमी पार्टी ने 2027 के लिए जमीनी स्तर पर कस ली कमर

पणजी. गोवा की राजनीति में बदलाव की आहट अब साफ सुनाई देने लगी है। आम आदमी की उमीदों, युवाओं की आकांक्षाओं और ईमानदार शासन की चाह को लेकर अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पूरे राजनीतिक फोकस के साथ गोवा में सक्रिय नजर आ रहे हैं।



गोवा राज्य समिति के साथ शनिवार को हुई बैठक और संवाद केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह 2027 के विधानसभा चुनावों की ठोस, जमीनी और दीर्घकालिक तैयारी का स्पष्ट संकेत है। बैठक में नेताओं ने कहा कि गोवा में बड़े स्तर पर जमीन का गलत इस्तेमाल हो रहा है। खेती की खाज्जा जमीन को नुकसान पहुंचाया जा रहा है और झीलें व नदियां को भी बर्बाद किया जा रहा है।

## मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही

केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गोवा में केवल चुनावी गणित नहीं देख रही, बल्कि जनभावना को समझकर एक मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही है। संगठन को गांव, वार्ड और वृथ स्तर तक मजबूत करना, स्थानीय नेतृत्व को आगे लाना, युवाओं और महिलाओं को राजनीति से जोड़ना, ये सभी कदम 2027 की तैयारी को ठोस आधार देते हैं। यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी किसी ताकालिक लहर पर नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव की बुनियाद पर आगे बढ़ रही है। गोवा की जनता के लिए यह संदेश साफ है कि बदलाव संभव है। ईमानदार नेतृत्व, साफ नीयत और जनता के साथ मिलकर काम करने की राजनीति ही भविष्य का रास्ता है।

## पंकज चौधरी क्या अब इस्तीफा देंगे?



लखनऊ. वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी इस समय दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कैसे यह कोई बड़ी या अनहोनी बात नहीं है। कुछ समय पहले तक जेपी नड्डा भी दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे थे। वे राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री दोनों थे। सीआर पाटिल भी गुजरात के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री थे। इसी तरह केंद्रीय राज्य मंत्री पंकज चौधरी को पिछले दिनों उत्तर प्रदेश का अध्यक्ष बनाया गया तो वे दोहरी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। पहले कहा जा रहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी सरकार में फेरबदल

## मोगा की राजनीति में फेरबदल शुरू

कांग्रेस-पुनर सुरजीत गुट के नेताओं ने की अकाली पार्टी जॉइन

मोगा. मोगा जिले में कांग्रेस के साथ-साथ पुनर-सुरजीत गुट को बहुत बड़ा झटका लगा जब पूर्व कांग्रेस विधायक राजवीर कौर भागीके और पुनर-सुरजीत गुट के नेता हरभूपिंदर सिंह लाडी ने अकाली दल अध्यक्ष सरदार सुखबीर सिंह बादल की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए।



अकाली दल अध्यक्ष के निहाल सिंह वाला के बुटरकला गांव के दौरान वह पार्टी में शामिल हो गए। इससे निहालसिंह वाला हलके में पार्टी बहुत मजबूत हुई है। इस अवसर पर इन दो नेताओं के अलावा पार्टी में शामिल होने वाले नौजवान नेता जसदीप सिंह अपने 200 समर्थकों के साथ पूर्व ब्लॉक समिति मेंबर गुरदेव सिंह भागीके, ब्लॉक समिति सदस्य पलविंदर सिंह बुटर, पूर्व सरपंच हरमेल कौर रामूलवाल हरकोके और एडवोकेट अमनदीन सिंह बुटर शामिल हुए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए सरदार सुखबीर सिंह बादल ने पंजाबियों से आग्रह किया कि वे पुनर सुरजीत अकाली

## पार्टियों ने राज्य के हितों के साथ विश्वासघात किया

सुखबीर बादल ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों ने उनके हितों के साथ विश्वासघात किया है और किसानों, नौजवानों, हाशिए पर पड़े वर्गों या व्यापार और उद्योग की भलाई में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि पुनर सुरजीत अकाली दल भी जनता का विश्वास जीतने में विफल रही है, क्योंकि पंजाबियों को लगता है कि यह पंजाब विरोधी ताकतों का मुहोला है। यही कारण है कि नेता इस गुट को छोड़कर अपनी मां पार्टी में वापिस लौट रहे हैं।

## शिरोष बारामती वापसी और नीरा नदी दौरा राजनीतिक संकेत

# शरद पवार फिर लौटे पवार पॉलिटिक्स की ओर!



मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों एक शब्द 'पवार प्ले' एक बार फिर चर्चा में है। कई दिनों से

राजनीतिक बयानबाजियों से दूरी बना चुके शरद पवार एख बार फिर, अजित पवार की विमान हादसे में मौत के बाद अचानक फिर सक्रिय दिखाई दिए हैं। बारामती और नीरा नदी के बहाने उनका यह कदम यह संकेत देता है कि वे अब भी सत्ता और संगठन की राजनीति में पूरी तरह मौजूद हैं। महाराष्ट्र राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार ने पिछले 50 सालों में राजनीति में दृश्य और प्रतीकों का बेहद प्रभावी इस्तेमाल किया है। कहा जाता है कि एक तस्वीर हजार शब्द कहती है, और पवार इस कला के माहिर खिलाड़ी रहे हैं। हालिया घटनाक्रम में

भी यही देखने को मिला, जब उन्होंने बीमारी का हवाला देते हुए नगर निकाय चुनावों से दूरी बनाई, लेकिन सही मौके पर फिर सामने आए। उनका अचानक टीवी स्क्रीन पर लौटना और इसके तुरंत बाद बारामती पहुंचना केवल पारिवारिक शोक का मामला नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह एक सोच-समझकर उठाया गया कदम था, जिसने राजनीतिक गलियारों में यह संदेश दिया कि नेतृत्व शून्य नहीं हुआ है। बारामती, जिसे पवार परिवार का गढ़ माना जाता है, वहां उनकी मौजूदगी ने निरंतरता का संकेत दिया। नीरा नदी दौरा से क्या संदेश दिया? नीरा नदी के किनारे शरद

पवार का दौरा कागजों पर पर्यावरण और प्रदूषण की समीक्षा था। उन्होंने नदी की बदहाली पर नाराजगी जताई और तत्काल कार्रवाई की मांग की। लेकिन अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षकों के लिए इस दौर का अर्थ कहीं गहरा था। इस उपस्थिति के जरिए पवार ने साफ किया कि अजित पवार के निधन के बाद भी बारामती 'अनाथ' नहीं हुई है। यह राज्य की राजनीतिक मशीनरी को एक स्पष्ट संदेश था कि वे न केवल सक्रिय हैं, बल्कि भविष्य के राजनीतिक संक्रमण में दिशा तय करने की क्षमता भी रखते हैं। यह वही पुराना पवार प्लेबुक है, जो समय के साथ और निखरी है।